पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने लीलावती निराश्रित बालगृह के नवनिर्मित हाल का उद्घाटन किया

लखनऊ: 24 मई, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित लीलावती निराश्रित बालगृह मोतीनगर के नवनिर्मित 'शोभा भार्गव हाल' का आज लोकार्पण किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित अंशिका पाण्डेय एवं मेधावी छात्रा काजल कौशल को स्मृति चिन्ह व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसी श्रृंखला में श्रीमती सुधा भार्गव को हाल निर्माण कराने के लिये तथा संस्था 'लंगर खुशी' के प्रतिनिधि सहित श्री पुनीत श्रीवास्तव को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये स्मृति चिन्ह देकर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डाॅ0 दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री डाॅ0 एस0एस0 डंग, परिषद की सभापति श्रीमती उज्जवला कुमारी, महासचिव श्रीमती रीता सिंह सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में बालगृह के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। संस्था की पूर्व अध्यक्षा स्व0 रानी रामकुमार लीला भार्गव का आज 24 मई को 95वां जन्मदिवस है तथा कल 25 मई को उनकी पुण्यतिथि है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि परिषद के उद्देश्य की पूर्ति के लिये सभी सदस्य समर्पित भाव से काम करें। आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ही विकास का मापदण्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंत्योदय के पक्षधर हैं। प्रदेश सरकार अच्छी शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान हैं, उन्हें अच्छी शिक्षा के द्वारा मूर्तरूप देकर आगे बढ़ाया जा सकता है।

श्री नाईक ने कहा कि उत्तर प्रदेश आबादी की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। विश्व के केवल चार देश ही आबादी के लिहाज से उत्तर प्रदेश से बड़े हैं। बड़ा प्रदेश होने के साथ-साथ स्वाभाविक रूप से कुछ समस्याएं भी हो सकती हैं। सभ्य समाज व्यक्तिगत दायित्व के साथ-साथ अपने सामाजिक दायित्व को भी समझे। निराश्रित बच्चों को माँ की ममता और पिता का प्यार देना समाज का दायित्व है ताकि ऐसे बच्चे अपने पैरों पर खड़े होने लायक बन सकंे। उन्होंने कहा कि विकास की गति को बढ़ाने की जरूरत है।

उप मुख्यमंत्री डाॅ0 दिनेश शर्मा ने स्व0 रानी रामकुमार लीला भार्गव को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि वे सदैव परोपकार से जुड़ी रहीं। रानी रामकुमार ने अनेक निराश्रित कन्याओं का लालन-पालन किया, शिक्षित किया तथा उनका विवाह करके उन्हें नया जीवन भी दिया। निराश्रितों का लालन-पालन पुण्य का काम है। समाज बालिकाओं के संरक्षण के लिये आगे आये। समाज सेवा ईश्वर प्राप्ति का साधन है। उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन देते हुये कहा कि सरकारी स्तर पर हर संभव मदद की जायेगी तथा सुविधायें भी बढ़ायी जायेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की शिक्षा एवं विकास के लिये प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में परिषद की महासचिव श्रीमती रीता सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा सभापति श्रीमती उज्जवला कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंत्री श्री एस0एस0 डंग ने किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (198/37)

शोभा भार्गव हाल
स्व. शोभा भार्गव की स्मृति में
बहन श्रीमती सुधा भार्गव द्वारा निर्मित
वृद्ध एवं निराश्रित महिलाश्रम मोतीनगर, लखनऊ
लोकार्पण
दिनांक 24 मई 2017 दिन बुधवार
श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल, उ.प्र.
माननीय डा. दिनेश शर्मा, उप मुख्यमंत्री, उ.प्र.
की गरिमामयी उपस्थिति में
के कर कमलों द्वारा सम्पन्न।

उ० प्र० बाल कल्याण परिषद, मोती महल, लखनऊ